Roll No. : ....

Total No. of Questions : **12**]   [Total No. of Printed Pages : **4**

AFMA–139

M.A. (Final) Examination, 2023

SANSKRIT

Paper - VII

(वर्ग 'इ' व्याकरणशास्त्र) (व्याकरण सिद्धान्त कौमुदी)

Time : 3 Hours]   [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ   **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब   **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स   **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. अधोलिखित प्रश्नानामुत्तराणि देयानि–

   (i) अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः इति सूत्रस्य व्याख्या कार्या।

   (ii) 'एङः पदान्तादति' इति सूत्रस्य संस्कृतेन व्याख्या कार्या।

   (iii) 'रामाय' पदस्य सिद्धिं संस्कृतवाचा कुरु।

   (iv) 'सुपि च' इति सूत्रस्य कोऽर्थः ?

(v) 'झोऽन्तः' सूत्रस्य व्याख्या कार्या।

(vi) भवितारौ इति पदस्य ससूत्रं सिद्धिं कुरु।

(vii) 'हुझल्भ्यो हेर्धि' इति सूत्रस्य व्याख्या कार्या।

(viii) 'पिपर्ति' इति पदस्य ससूत्रं सिद्धिं कुरु।

(ix) 'शे मुचादीनाम्' इति सूत्रस्य व्याख्या कार्या।

(x) 'तनादिकृञ्भ्य उः' इति सूत्रस्य व्याख्या कार्या।

खण्ड–ब

नोट :– अधोलिखितेषु पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्न संख्या द्वितीयः तृतीयश्च अनिवार्यौ स्तः–

2. अधोलिखितसूत्राणां कयोरपि द्वयोः सूत्रयोः संस्कृतेन व्याख्या करणीया–

(क) पूर्वत्रासिद्धम्

(ख) शात्

(ग) शि तुक्

(घ) हशि च

3. अधोलिखितपदानां कयोश्चिद् द्वयोः ससूत्रं सिद्धिं कुरु संस्कृतवाचा–

(क) रामेभ्यः

(ख) हरिणा

(ग) मत्यै

(घ) वारीणि

4. अधोलिखितसूत्राणां कयोश्चन द्वयोः व्याख्ये कार्ये–

(क) नित्यं ङितः

(ख) सिजभ्यस्तविदिभ्यश्च

(ग) लिटस्तझयोरेशिरेच्

(घ) आत्मनेपदेष्वनतः

5. अधोलिखितपदानां कयोश्चन द्वयोः ससूत्रं सिद्धिं कुरु–

(क) जक्षतुः

(ख) अद्धि

(ग) जुह्वति

(घ) सुन्वन्ति

6. अधोलिखितसूत्राणां कयोश्चन द्वयोः व्याख्ये कार्ये–

(क) लुङ् सनोर्घस्लृ

(ख) भीह्रीभृहुवां श्लुवच्च

(ग) विभाषा चेः

(घ) विदो लटो वा

7. अधोलिखितपदानां द्वयोः कयोऽपि व्याख्ये करणीये–

(क) भृज्जति

(ख) मुञ्चति

(ग) कुर्वन्ति

(घ) क्रीणन्ति

8. अधोलिखित सूत्राणां कयोश्चिद् द्वयोः व्याख्ये कार्ये–

(क) आत्मनेपदेष्वन्यतरस्याम्

(ख) ये च

(ग) हिनुमीना

(घ) ई च गणः

खण्ड–स

नोट :– अधोलिखिते प्रश्नेषु कोऽपि द्वौ प्रश्नौ समाधेयौ–

9. अधोलिखितपदानां केचन चतुः प्रश्नाः सिद्धिकरणीयाः–

(क) गव्यम्

(ख) विष्ण इह

(ग) उपैति

(घ) उत्थानम्

(ङ) तच्छिवः

(च) शिवच्छाया

(छ) अहरहः

(ज) भो देवाः

10. अधोलिखितानां सूत्राणां केषांचित् चतुर्णां सूत्राणां व्याख्या: करणीया:–

(क) एङ: पदान्तादति

(ख) ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम्

(ग) ऋत्यक:

(घ) न पदान्ताट्टोरनाम्

(ङ) अनुस्वारस्य ययि परसवर्ण:

(च) कानाम्रेडिते

(छ) ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽण:

(ज) वा शरि।

11. अधोलिखितपदानां ससूत्रं सिद्धिं कुरु केषांचित् चतुर्णाम्–

(क) सर्वस्मै

(ख) सखायौ

(ग) मती:

(घ) श्रियै

(ङ) स्वसा

(च) वारिणी

(छ) ध्रुक्

(ज) युष्माभि:

12. अधोलिखितानां सूत्राणां केषांचन चतुर्णां व्याख्या: करणीया:–

(क) अभ्यासे चर्च

(ख) पुगन्तलघूपधस्य च

(ग) रिङ् शयग्लिङक्षु

(घ) घुमास्थागापाजहातिसां हलि

(ङ) सिचि च परस्मैपदेषु

(च) सेऽसिचि कृतचृतच्छृदतृदनृत:

(छ) भ्रस्जो रोपधयो रमन्यतरस्याम्

(ज) भुजोऽनवने।